DIABETES

मधुमेह

- मधुमेह -DIABETES, TYPE : 1 & 2
- DIABETES (मधुमेह) में दी जाने वाली मॉडर्न मेडिसिन के साइड इफ़ेक्ट
- इन्सुलिन के साइड इफ़ेक्ट
- आयुर्वेद में Diabetes का समाधान

मधुमेह -DIABETES, TYPE : 1 & 2

Diabetes एक ऐसा विकार है जिसमें हमारा शरीर रक्त में मौजूद शर्करा (Glucose) का उपयोग ठीक तरह से नहीं कर पाता या रक्त में मौजूद Glucose हमारी कोशिकाओं के भीतर प्रवेश नहीं कर पाता। क्योंकि शरीर में या तो इंसुलिन बिल्कुल नहीं होता है या कम होता है या शरीर में Insulin के विपरीत Resistance पैदा हो जाती है।

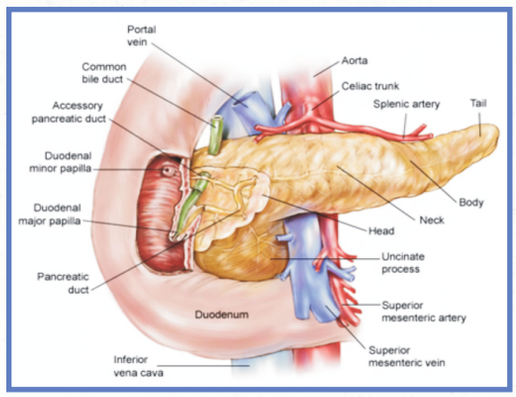

मुख्य रूप से Diabetes दो तरह का होता है:-

1) Type 1: इसमें शरीर के अन्दर Insulin बिलकुल तैयार हीं नहीं होता, क्योंकि Insulin बनाने वाली कोशिकाएं ही नष्ट हो जाती हैं या काम करना बंद कर देती हैं। यह अक्सर छोटी उम्र / बचपन में होता है। इसलिए इसे "Juvenile Diabetes" भी कहते हैं। Type 1 Diabetes से ग्रस्त व्यक्तियों को जीवन भर Insulin लेना पड़ता है। इसमें मुंह से ली जाने वाली गोलियों का भी असर नहीं होता। मॉडर्न pathy में यह अभी तक असाध्य है। परन्तु आयुर्वेद, नेचरोपैथी में DIP डाइट, पंचकर्म की मदद से अभी तक हजारों लोगों की इन्सुलिन के इंजेक्शन बंद हो चुके है या कम हो चुके है। इसके लिए डाइट व लाइफस्टाइल में कुछ परिवर्तन करने पड़ते है।

2) Type 2: यह आम तौर पर 30-40 से अधिक उम्र या मोटे लोगों में होता है। इन मरीजों के शरीर में पर्याप्त मात्रा में Insulin तो होता है, लेकिन शरीर उसे सही प्रकार से उपयोग नहीं कर पाता (Insulin receptor cells काम नहीं करते) या शरीर में पर्याप्त मात्रा में Insulin तैयार ही नहीं होता क्योंकि आवश्यकता अधिक होती है। इसमें मरीजों को नियमित व्यायाम, संतुलित भोजन और दवाओं के प्रयोग से Glucose की मात्रा को नियन्त्रित किया जा सकता है। अतः यह काफी हद तक साध्य है, यानि टाइप 2 Diabetes 80 से 85% लोगों का ठीक या रिवर्स किया जा सकता है।

इनके अलावा Diabetes के अन्य प्रकार हैं: वह है-

LADA (Latent Autoimmune Diabtes Of Adults): LADA में, शरीर का इम्यून सिस्टम गलती से Pancreas में इंसुलिन बनाने वाली कोशिकाओं पर हमला करती है, जैसे टाइप 1 डायबिटीज में होता है।

MODY (Maturity Onset Diabetes Of Young) : MODY एक प्रकार की डायबिटीज है, जो इंसुलिन बनाने में मदद करने वाले जीन में बदलाव के कारण होती है। यह आमतौर पर किशोरों या युवा वयस्कों में होती है और इसमें परिवार में डायबिटीज की History होती है।

Drug Induced Diabetes: यह Chemical based medicine के उपयोग से हो सकता है। जैसे कि Thiazides, Beta-Blockers और Corticosteroids । ये दवाएं शरीर में इंसुलिन के काम करने को प्रभावित कर सकती है, जिससे Blood Sugar का स्तर बढ़ सकता है।

जेस्टेशनल डायबिटीज: यह गर्भावस्था के दौरान हो जाता है और स्वतः ठीक हो जाता है। परन्तु कई बार यह प्रस्तुति के बाद भी बना रह सकता है।

Diabetes के मुख्य लक्षण: बुनियादी तौर पर Diabetes के 3 मुख्य लक्षण होते हैं जो ग्रस्त रोगियों में दिखाई देते है:-

1.Polyphagia (पोलीफेजिया): अधिक मात्रा में भोजन करने के बाद भी मरीजों को भूख महसूस होती है।

2. Polydypsia (पोलीडिप्सिया) : मरीज को बहुत ज्यादा प्यास लगती है और मुँह हर समय सूखता रहता है।

3. Polyuria (पोलीयूरिया): मरीज को बार-बार पेशाब लगती है, खास तौर पर रात में ज्यादा बार।

मधुमेह -DIABETES, TYPE : 1 & 2

Hypoglycemia (Low Blood Sugar): रक्त में शर्करा का कम हो जाना:-

इस स्थिति में रक्त में Glucose का स्तर सामान्य से कम हो जाता है। यह कई कारणों से हो सकता है। जैसे:-

- बहुत कम मात्रा में भोजन करना
- बहुत ज्यादा उल्टियाँ होना
- Allopathic Medications
- जरूरत से ज्यादा दवाई लेना
- अधिक व्यायाम या परिश्रम करना

इस स्थिति में मरीज को चक्कर आने लगते हैं, पसीना आता है, सिरदर्द या चित्त भ्रम होता है, मुँह के पास झुनझुनी होती है।

*** इस स्थिति में रोगी को तुरन्त 1 चम्मच भर कर गुड़, एक कप फलों का रस या 1-2 खजूर खिलाना चाहिए।**

हमारे खान-पान तथा जीवनशैली में महत्वपूर्ण परिवर्तन करके तथा नियमित व्यायाम, दिव्य साधना व प्रभावकारी आयुर्वेदिक औषधियों, पंचकर्म के प्रयोग से टाइप-2 व टाइप-1 की शुगर रिवर्स हो सकती है। (दूध से बनी व जानवरों से प्राप्त सभी चीजें व डिब्बा बंद पैकेट वाली सभी चीजे छोड़नी होंगी)।

मॉडर्न pathy में शुगर की गोली व इन्सुलिन के सभी नाम व उन सबके साइड इफ़ेक्ट व रिसर्च पेपर अगले पेज पर है। रिसर्च के अनुसार शुगर व बी. पी. को कंट्रोल करने वाली गोली व इन्सुलिन से किडनी तक फेल हो सकती है।

भारत में डायबिटीज:

भारत को 'डायबिटीज की राजधानी' कहा जाता है, क्योंकि यहाँ पर डायबिटीज के मरीज़ों की संख्या बहुत तेज़ी से बढ़ रही है। वर्तमान में, **भारत में लगभग 7.7 करोड़ लोग डायबिटीज से पीड़ित हैं, जो कि विश्व में सबसे अधिक है।** अगर इसी रफ़्तार से डायबिटीज के मामले बढ़ते रहे, तो अनुमान है कि **2030 तक यह संख्या 10 करोड़ से भी अधिक** हो जाएगी। खासकर शहरी क्षेत्रों में लोग जंक फूड, असंतुलित आहार, तैलीय भोजन करते हैं साथ ही बदलती जीवनशैली और शारीरिक गतिविधियों की कमी है, जिससे मोटापा और डायबिटीज जैसी बीमारियों का ख़तरा बढ़ रहा है। भारत में डायबिटीज की यह बढ़ती संख्या स्वास्थ्य प्रणाली पर भी बड़ा बोझ डाल सकती है, इसलिए इसके प्रति जागरूकता और रोकथाम के उपायों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। यदि किसी परिवार में किसी सदस्य को डायबिटीज है, तो उस परिवार के अन्य सदस्यों को भी डायबिटीज होने का ख़तरा बढ़ जाता है। यह इसलिए होता है क्योंकि डायबिटीज एक आनुवांशिक बीमारी है, जो पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ सकती है। यदि माता-पिता में से किसी एक को भी डायबिटीज है, तो बच्चों में इसका जोखिम सामान्य से अधिक हो जाता है। इसलिए, जिन लोगों के परिवार में डायबिटीज की History है, उन्हें अपनी जीवनशैली को और ज़्यादा सावधानीपूर्वक जीने की ज़रूरत है, ताकि वे इस बीमारी से बच सकें।

DIABETES (मधुमेह) में दी जाने वाली मॉडर्न मेडिसिन के साइड इफ़ेक्ट

- Actoplus Met Xr
- Alogliptin (Nesina)
- Canagliflozin (Invokana)
- Dapagliflozin (Farxiga)
- Dapagliflozin-saxagliptin (Qtern)
- Dulaglutide (Trulicity)
- Empagliflozin (Jardiance)
- Empagliflozin-linagliptin (Glyxambi)
- Empaglifozin-linagliptin -metformin (Trijardy Xr)
- Ertugliflozin (Steglatro)
- Exenatide (Byetta)
- Exenatide Extended-release (Bydureon Bcise)
- Gliclazide
- Glimepiride (Amaryl, Glipizide)
- Glimepiride-pioglitazone (Duetact)
- Glipizide Er (Glipizide Xl)
- Glyburide (Glynase)
- Linagliptin (Tradjenta)
- Linagliptin-empagliflozin (Glyxambi)
- Liraglutide (Saxenda, Victoza)
- Lixisenatide (Adylyxin)
- Metformin-Alogliptin (Kazano)
- Metformin-canagliflozin (Invokamet)
- Metformin-dapagliflozin (Xigduo Xr)
- Metformin-empagliflozin (Synjardy)
- Metformin-glipizide
- Metformin-glyburide (Glucovance)
- Metformin-linagliptin (Jentadueto)
- Metformin-pioglitazone (Actoplus Met)
- Metformin-repaglinide (Prandimet)
- Metformin-rosiglitazone (Avandamet)
- Metformin-saxagliptin (Kombiglyze Xr)
- Metformin-sitagliptin (Janumet)
- Metmorfin-ertugliflozin (Segluromet)
- Nateglinide (Starlix)
- Pioglitazone-alogliptin (Oseni)
- Pioglitazone-glimepiride (Duetact)
- Repaglinide (Prandin)
- Rosiglitazone
- Saxagliptin (Onglyza)
- Semaglutide (Ozempic)
- Sitagliptin (Januvia)
- Sitagliptin-Simvastatin (Juvisync)

मॉडर्न पैथी द्वारा बताये गए OHA DIABETES DRUGS के साइड इफ़ेक्ट:

शुगर में दी जाने वाली दवाई (THIAZOLIDINEDIONES) के "Liver Failure & Stroke" जैसे साइड इफेक्ट्स

- Weight gain
- Liver failure
- Reduced sense of touch
- Chest pain and infections
- Stroke
- Bone fractures

https://www.diabetes.co.uk/diabetes-medication/thiazolidinediones.html

सामान्य मधुमेह दवाओं के दुष्प्रभाव "Liver" और "Kidney" पर

- Low Blood Sugar
- Upset Stomach
- Skin Rash or Itching
- Weight Gain
- Kidney Complications
- Risk of Liver Disease
- Tiredness
- Diarrhoea
- Metallic Taste

https://www.diabetes.co.uk/features/diabetes-medication-side-effects.html

मधुमेह की अंग्रेज़ी दवाओं से जुड़ा "हृदय रोग (Heart Diseases)" का ख़तरा

https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC4548036

DIABETES (मधुमेह) में दी जाने वाली मॉडर्न मेडिसिन के साइड इफ़ेक्ट

"DPP-4 INHIBITORS" से होने वाला PANCREATITIS और अन्य दुष्प्रभाव

- Gastrointestinal Problems – Including Nausea, Diarrhoea & Stomach Pain
- Flu-like Symptoms – Headache, Runny Nose, Sore Throat
- Skin Reactions – Painful Skin Followed By a Red or Purple Rash

https://www.diabetes.co.uk/diabetes-medication/dpp-4-inhibitors.html

शुगर की एलोपैथिक दवाइयों से हो रहा "अनचाहा मोटापा" (OBESITY)

https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/25554069/

शुगर की दवा (SAXENDA) से "जोड़ों के दर्द" व अन्य गंभीर दुष्प्रभाव

- Bladder pain
- Bloody or cloudy urine
- Joint pain
- Nightmares
- Sore Throat
- Muscle Aches and Pains
- Nervousness
- Pounding in the Ears
- Slow or Fast Heartbeat

https://www.drugs.com/sfx/saxenda'-side-effects.html

शुगर की दवा " (LIRAGLUTIDE) " के दुष्प्रभाव

- Vomiting
- Nausea
- Constipation
- Dyspepsia
- Fatigue
- Dizziness
- Hypoglycemia
- Gastroenteritis
- Stomach Pain

https://www.saxenda.com/about-saxenda/side-effects.html

इनके अतिरिक्त अन्य दुष्प्रभाव निम्नलिखित हैं :

- Lactic acidosis (लैक्टिक एसिडोसिस) ▸ Lactic acidosis refers to lactic acid build up in the bloodstream, A metallic taste in mouth (भूख में कमी, मुँह में धातु जैसा स्वाद)
- Anaemia: Metformin can block vitamin B12 absorption and cause anaemia, especially after long-term use (एनीमिया: मेटफॉर्मिन विटामिन बी-12 के अवशोषण को अवरुद्ध कर सकता है और खून की कमी का कारण बन सकता है, खासकर लंबे समय तक उपयोग के बाद)
- Metformin accumulates in the body in patients of kidney failure, heart failure, or liver disease-causing abdominal pain, jaundice, pale stools and dark urine (किडनी, हृदय व लिवर के रोगियों में मेटफॉर्मिन जमा होने के कारण लिवर में सूजन की सम्भावना अधिक होती है, जिसके कारण पेट में दर्द, पीलिया, पीला मल और गहरे रंग का पेशाब होता है)
- Genital and urinary tract infections (जननांगों और मूत्र मार्ग में संक्रमण)
- Postural hypotension causing dizziness on standing (पोस्टुरल हाइपोटेंशन के कारण खड़े होने पर चक्कर आना)
- Diabetic ketoacidosis (DKA) can develop in people with Type 1 and Type 2 diabetes taking SGLT2 inhibitors (एसजीएलटी2 अवरोधक लेने वाले टाइप 1 और टाइप 2 मधुमेह वाले लोगों में मधुमेह केटोएसिडोसिस (डीकेए) विकसित हो सकता है)

इन्सुलिन के साइड इफ़ेक्ट

ये कुछ मुख्य रूप से Prescribe की जाने वाली Insulin के नाम हैं जिसे शरीर में इंजेक्ट किया जाता है

Humalog, Novolog, Lispro, Insulin-Lispro, Insulin Aspart Apidra, HumuLIN R, Novolin R, Lantus, Lantus Solostar, Glargine-yfgn, Basaglar KwikPen, Levemir , Tresiba, Toujeo Solostar, Fiasp, Lispro Prot & Lispro, Lyumjev, Myxredlin, Semglee, Soliqua Soliqua, Xultophic, Humalog Mix 50/50, Humalog Mix 75/25, Novolog Mix 70/30, Humulin 70/30, Novolin 70/30, Afrezza, Lantus, Insulin Lispro, NovoLog, Levemir, Regular Insulin, NPH Insulin, Apidra, Insulin Degludec, Insulin Degludec/Insulin Aspart, Insulin Glulisine (Apidra®), Insulin Aspart (Novolog®), Insulin Lispro U-100/U-200 (Humalog®), Regular Insulin (Novolin R, Humulin R), NPH Insulin (Novolin N, Humulin N), Insulin Detemir (Levemir®), Insulin U-100 (Lantus®, Basaglar®), Insulin Glargine U-300 (Toujeo®), Insulin Degludec U-100/U-200 (Tresiba®), Pre-mixed Insulin, 70/30 (70% N and 30% R), 50/50 (50% N and 50% R), Humalog® mix 75/25, Humalog® mix 50/50, NovoLog® mix 70/30

जानिए इन्सुलिन के साइड इफ़ेक्ट:

Insulin के रिएक्शन हो सकते हैं काफी ख़तरनाक

https://nowpatient.com/blog/the-side-effects-of-insulin

Insulin के साइड इफ़ेक्ट
Hypoglycemia, Obesity, Hypokalemia

https://www.ncbi.nlm.nih.gov/books/NBK560688/

Side Effect of Insulin:

- Low blood glucose
- Injection site reactions
- Weight gain
- Headache
- Lipodystrophy
- Swelling in your Arms and Legs

https://www.goodrx.com/classes/insulins/common-side-effects

हाँ, insulin की ओवर डोज़ बन सकती है मौत का कारण

https://diabetesstrong.com/insulin-side-effects/

Insulin थेरेपी शुरू करने से बढ़ता है ख़तरा कैंसर का

https://lens.google.com/search?ep=gsbubb&hl=en-IN&re=df&p=AbrfA8rt9dUTAOO6NMjm8vLQyYpqGk-EkeZSxRA3yIswF9BRIaXC9vG3_KG9_-2FTYDTuvhXiGi5mCV_FTHmFqSYLLMJzTmmuEGgjhNS3inQJ1OtHUfAxEtIn4tpO8M4anLPMtuo7v7wvZzVIMj-FkRxcHn0GxzEHode5c8n758gssAHjXn7u_GJvryYztwdCk1qoRcfSKPu-hIgmCa-Jh0d8EZ8R5ByNke3OXlYv_pJQEaaXLz-xIKr8NML3d8ix_pfGc9bGMuWsVzePfEI00pKpm5XS-t0kTUGFzF40LMqs0vcSpUnaIVYRa2juU4z-Sw9xVWWdlE52X0gZmaLjLk%3D#lns=W251bGwsbnVsbCxudWxsLG51bGwsbnVsbCxudWxsLG51bGwsIkVrY0tKR1F6TjJObU9HVm1MVFU0TVRJdE5HWTNNUzFoTTJZekxXVTNaV1kwTXpjeU5UUTJNeElmWjNwQ1EyTTVOM0p6Y0dOaGMwWldkMUYzZG5veE4wZEhVMGRDY1RCb1p3PT0iXQ==

आयुर्वेद में Diabetes का समाधान

आपको जानकर आश्चर्य भी होगा और खुशी भी कि आयुर्वेद में उन कई बीमारियों का उपचार हो सकता है जिन्हें अंग्रेजी दवाएं ठीक नहीं कर पाती हैं। शुगर भी एक ऐसी ही बीमारी है। आयुर्वेद में डायबिटीज को मधुमेह कहा जाता है। हम सभी जानते हैं कि रक्त में ग्लूकोज की मात्रा बढ़ने के कारण मधुमेह की समस्या होती है. आयुर्वेद में इस बीमारी का उपचार चरक संहिता और सुश्रुत संहिता में वर्णित किया गया है। आयुर्वेद में माना जाता है कि मधुमेह का रोग शरीर की चयापचय प्रणाली यानी मेटाबॉलिज़म में समस्या होने के कारण होता है। मेटाबॉलिज़म शरीर की एक प्रॉसेस है, जिसके दौरान शरीर भोजन से प्राप्त पोषक तत्वों का उपयोग करके उनसे ऊर्जा प्राप्त करता है। जब मेटाबॉलिज़म में गड़बड़ हो जाती है तो शरीर में मौजूद इंसुलिन हॉर्मोन या तो सही तरीके से काम करना बंद कर देता है या फिर इस हॉर्मोन की कमी शरीर के अंदर हो जाती है, जिससे खून में शुगर की मात्रा बढ़ने लगती है।

आयुर्वेद में हर बीमारी के लिए तीन दोषों में से कोई एक दोष कारण होता है। इन दोषों को वात-पित्त और कफ के रूप में जाना जाता है। मधुमेह के बारे में भी यह बात लागू होती है। इसलिए इस रोग के प्रकार के आधार पर इसे वातज प्रमेह, पित्तज प्रमेह और कफज प्रमेह कहा जाता है। जीना सीखो अस्पताल में हमारे पास कई ऐसी अलग-अलग उपचार विधियां हैं, जिनका उपयोग करके रोगी के मेटाबॉलिज़म को सही किया जाता है। आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धिति की विशेषता यह है कि यह रोग को नहीं बल्कि रोग के कारणों को दूर करने पर काम करती है। ताकि रोग जड़ से दूर हो सके और रोगी को बार-बार दवाओं का सेवन ना करना पड़े।

हम अपने हॉस्पिटल में आयुर्वेदिक औषधियां, पंचकर्म थैरेपीज, DIP DIET, HWI, नीम-करेला थेरेपी और अन्य नेचुरोपैथी थेरेपी से डायबिटीज का ट्रीटमेंट करते हैं।

हीट थेरेपी मोटापा और डायबिटीज के इलाज के लिए एक असरदार और किफायती तरीका है।
hot tub @40°C

https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/26049635/

आयुर्वेद में संभव है डायबिटीज का उपचार

https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC6686320/#:~:text=After%204%20months,prescribed%20by%20AyurVAID

आयुर्वेदिक दवाएं, पंचकर्म, आहार और योग टाइप-2 डायबिटीज का इलाज कर सकते हैं।

https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC8728054/#:~:text=Integrated%20Ayurveda%20treatment%20protocol20containing%20Ayurveda%20medicines%2C%20panchakarma%20intervention%2C%20Ayurvedic%20pathyahara%20and%20yoga%20practise%20was%20helpful%20in%20treating%20type%202%20diabetes%20mellitus.%20This%20approach%20can%20be%20adopted%20for%20T2DM%20treatment%20and%20research

Videos Link & Scanner

आइए मिलते हैं जीना सीखो (HiiMS) से ईलाज ले रहे व ले चुके कुछ लोगों से और देखते हैं, क्या है.. इनके अनुभव-

https://www.youtube.com/watch?v=IF_IGLxz60Q

https://www.youtube.com/watch?si=j3uIY4VfpFMhHvEl&v =C-nNiCSelUQ&feature=youtu.be&themeRefresh=1